

Category: Best new corporate innovation initiative

Initiative: No Negative Monday

Company: Dainik Bhaskar



No Negative Monday



Negativity Sells

Frequently news is spiced up /made sensational to help “sell”. The industry is thriving on it. We all believe that negative news is what the reader wants to read first. Crime, Corruption & Controversy , have therefore become the highest selling assets for newspapers and thus, the norm.

‘देखिए, पुलिस ऐसे बना देती है बच्चों को गुंडा...’

मौत में डूबे हुए बच्चे के पुर्ण शव को देख कर पुलिस की बर्तन क्लीन बनाने का काम करने वाला पार्टनर करीब 25 लाख रुपए समेटकर रातों रात परिवार सहित फरार हो गया। मामले में पुलिस से शिकायत की गई है।

माधव विक्रमसिंह निवासी वैभव...

जालिए बच्चे की जुबानी... गुंडा बनाने की कलाबी

मैंने ही उसे छोड़ा

25 लाख समेटकर पार्टनर परिवार सहित फरार

इंदौर @ पत्रिका फिनाइल, हैंडवॉश व बर्तन क्लीन बनाने का काम करने वाला पार्टनर करीब 25 लाख रुपए समेटकर रातों रात परिवार सहित फरार हो गया। मामले में पुलिस से शिकायत की गई है।

माधव विक्रमसिंह निवासी वैभव...

था। मार्च 2015 में अमित उसे मिला और व्यवसाय अच्छा चलने की बात कही। माधव से अमित ने कहा, अगर वह व्यवसाय में राशि का निवेश करे तो काफी फायदा होगा। माधव के मुताबिक, वह अमित की बातों में आ गया। अमित को उसने अपने मामा से...

घर में लगी आग, महिला सहित दो लोगों की मौत

ई दिल्ली : चेन्नई घरेलू नगर में घर में लगी आग में महिला सहित दो लोगों की मौत हो गई। मरने वाले मकान मालिक रमेश ठंडे सिंग की मानसिक स्थिति कमजोर थी। इस्तेमाल करने वाला व्यक्ति कमरे में कारी कबाड़ जमा कर रहा था।

जब उसी घर को जलाया। कबाड़ से शुरू हुई आग बाद में मकान के दूसरे हिस्से में फैल गई। यहां दफ्तर में दो लोगों को मृत घोषित कर दिया। मृत महिला देविदा गार्गम के काम करती थी।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक रमेश की मां की पत्नी से मौत हो चुकी है। वहीं, नौ वर्ष के कागज दान पुत्रों से हो गई। मकान में मौजूद अन्य लोगों ने भाग कर जान बचाई। स्थिति खराब हो गई थी। इसके बाद उसी पत्नी के दो लोकर मरकर चले गए थे। इसके बाद से ही रमेश का घर में अकेला रहता था। वह छोटे-मोटे काम और मकान के किराये से गुजारा करता था।

घर के बाद रमेश के काम के दायजा अंदर से बंद था। माना जा रहा है कि बाहर से शुरू हुई आग ने जब कमरे के अंदर के कबाड़ को चोट में लिया होगा तो रमेश को बाहर निकलने का अवसर नहीं मिला। इससे वह आग में जलकर मर गया। आग का गुआ मकान के सफर (गैस निकलने की जगह) से होता हुआ तीसरी मंजिल के कमरे में पहुंच गया। मध्य जिले के एडिशनल कमिश्नर विनय विम्वल ने बताया कि दुर्घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है, वहीं पुलिस घटना के कार्यों की जांच कर रही है।

आरक्षण की आग में जला गुजरात, 7 मरे, सेना बुलाई

अजमेर/राजस्थान/दिल्ली : गुजरात में ओबीसी बंधों के साथ घातक संघर्ष के बीच आरक्षण की आग में जला गुजरात में 7 मरे। आरक्षण की आग में जला गुजरात में 7 मरे। आरक्षण की आग में जला गुजरात में 7 मरे।

अजमेर/राजस्थान/दिल्ली : गुजरात में ओबीसी बंधों के साथ घातक संघर्ष के बीच आरक्षण की आग में जला गुजरात में 7 मरे। आरक्षण की आग में जला गुजरात में 7 मरे। आरक्षण की आग में जला गुजरात में 7 मरे।

Why 'No Negative News' ?

Taking cue from how negative news creates the unrest and realizing its responsibility as a credible newspaper brand, Dainik Bhaskar has pioneered change that has never been witnessed in the history of media - 'No Negative News' .

India is one of the most youthful nation in the world and this youth is brimming with confidence and optimism. In a young and resilient nation riding on a wave of change and optimism, it is important that the impact of “negativity” is minimized.



Brand Challenge

So how does one differentiate ?



No Negative Monday

Objective:

To trigger positive emotions amongst the readers and the society at large thereby spreading positivity and enhancing their confidence to succeed.



Making a Positive Start

Keeping in mind the fact that readers like to start their week on a positive note, Dainik Bhaskar has initiated this movement on Monday.

Positivity in
Negative
News

Stories of
Hope

Negative
news with
clear
header

Good News



Other Newspapers



दैनिक भास्कर

Dainik Bhaskar tries to bring out positive Stories of Hope thereby mirroring the positive India upsurge.

ईश्वर की जिद; जहां कभी माली और चौकीदार थे, वहीं बने प्रिंसिपल

28 साल पहले छात्रों-प्रोफेसर्स को देखकर पढ़ने और बढ़ने का फैसला किया

इंदरपुर सिंह ठाकुर भिरवा के कल्याण कॉलेज में 26 साल पहले माली थे। बीना में फूल-पौधे संवतसे थे। चौकीदार की हैसियत में बिल्डिंग की रक्ष-सुरक्षा का जिम्मा भी उन पर था। जिम्मेदारी अब भी कमोबेश वैसी ही है। काल्प थोड़ी बड़ी हुई। अब वे कॉलेज के बगीचे के माथे लेशा की बीना के फूलों (रात्र-रात्रों) को भी संवतसे हैं। बिल्डिंग

ही नहीं, उसमें पढ़ने-पढ़ाने वालों की रक्षा-सुरक्षा के साथ उनके भविष्य का भी ध्यान रहते हैं। अब अहोरी के कॉलेज में प्रिंसिपल हो गए हैं।

इसका, कल्याण कॉलेज में पढ़ने-पढ़ाने और अपने-जाने वालों के लिए जीती-जाती मिसाल है। उनकी पूरी कहानी फिल्मों सिखाए रखी है। वे 1986 से 1988 तक कल्याण कॉलेज में माली और चौकीदारों का काम करते थे। महीने में 75 रुपए मिलते थे। तभी कॉलेज को विन्दा

बनने का काम शुरू हुआ। ईश्वर को मजदूरों को देखकर के लिए मुम्ववाइक बना दिया था। उसी दौरान बच्चों और पोप्रेस को देखकर उन्हें भी आगे बढ़ने को ललक गया। 11वीं तक तो पंथे थी। फिर बन्धा। जुड़ गए यमने पूरा करने को। वो कहते हैं कि सबके दिल चाहते तो पूरी कान्यना साथ आ जाती है। वही हुआ भी। पोप्रेसमों और जानने वाले ईश्वर का हीमना बढ़ाया, मदद की ईश्वर सिधियां चढ़ते गए।



राजकीय विज्ञान (१९८६), एमए हिंदी (२०१०), पीएचडी (२०१४)।

तीन किलोमीटर पैदल जाते थे स्कूल

जब कॉलेज की चौकीदारी करते थे



ईश्वर विनामयुर पित्रे के घुंघिया
(पथरिया) के लहने वाले हैं। पित
श्रुतुन किमन हैं। चार एकद खेत
हैं। गंध में पंचवीं में प्रथम अणु।
पित वे कालपुर के मिश्रन स्कूल में
दाक्षित कन्य दया। तीव किमी फैल
स्कूल जाते थे। 1वीं की पढ़ाई मरो
(कवयद) में पूरी की। अखे वंदर अणु
लोकन गरीबी के कारण पढ़ाई ठक
गई। इसीलिए काम की तलाश में
मिलीं आ गए।

मैं लड़खड़ाऊंगा, लेकिन गिरूंगा नहीं... खड़ा रहूंगा

यह उम्मीद देने वाली तस्वीर है, उन्हें जो ज़िंदगी से सहर मान चुके हैं। एक पांव के बूते रामचंद्र पिछले 18 साल से खड़े हैं। बेडियी की शहरी पार्क पर पलिवार चला रहे हैं, दो बेडियी की शादी कर चुके हैं। रामचंद्र का खेत छोटा है पर हिम्मत बड़ी है। हादसे में एक पैर खोने के बाद श्रीगंगा नगर के निम्मावाली गांव के रामचंद्र चौधरी से नाते-रिश्तेदारों ने भी मुंह मोड़ लिया था। एक बार तो रामचंद्र ने भी ज़िंदगी खत्म करने की सोची थी, पर दूसरे ही पल ख्याल आया- मौत तो बहुत आसान है, जिला ज्यादा मुश्किल है।



फोटो : सकेश वम

खुदकुशी आसान है, मैंने
तो जीने की ठानी है...

रामचंद्र ने कृत्रिम पैर लगवाने का भी प्रयास किया। वे सरकारी शिविर में भी गए, पर पैर फिट नहीं हुआ। अब रामचंद्र सहारे के लिए पैर पर लाठी बांध लेते हैं। उसी के सहारे खेती करते हैं।

रांची १२ अक्टूबर, २०१६ ३

हाथ नहीं हौसला चाहिए : पढ़ने के साथ-साथ खेल का भी जुनूनी सोहेल

राष्ट्री : सोहेल बिना हथके के चुनिया में अया। पड़ने-लिखने को ललक देखा। पढ़ने-पढ़ाई में उसे सुकल में भरी कलामें सोहेल अण चौबी कलामें पढ़त ह। हथके नाली, तो उमने पढ़ी को ही हथके नाली। कलामें में बाएँ पढ़ी को अंगुलीयों में पेन पकड़ कर होमयक करता ह। उसे पुस्तकालि खोलने का रीक ह। उसे रसूक के बाद ट्राइड में उतरता ह। सोहेल के कलामेट बताते ह-उसमें पढ़त का जगजा ह और लिखत को अपने रीकसे से उनीन का होसला ह। परिचय और सुकल के टीथर भी सोहेल की ललक देखकर बतात ह। हथके माहल को इस समय समझते ह, लेकिन बिना हथके के इस चुनौती लाज ने हमें बया दिया ह कि लिखने में हथक नीं, होसला चाहिए।

पाठो : ललक

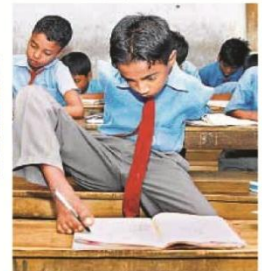


पैरों में है दम : पैर से संबंधित किसी भी दर्द है, चौथी कक्षा वक्र सोहेल बख्शी दर्द लेता है।

मां बोली-शुरू से पढ़ने की है जिद



सोहेल क्या करता, पूर्व दिक्ता प्रीतिम बाल विकास विद्यालय में चौथी कक्षा में पढ़ता है। पिता शहीद अंतर्गत का अग्रज छोटा-मोटा बिजनेस है। माँ दूधैस बचाती हैं बच्चों में शुरू से पढ़ने की जिद है। बड़ा होकर वह कंप्यूटर इंजीनियर बनना चाहता है। प्राथम्य संस्कार महलौ कहलौ हैं कि सोहेल अनुशासनप्रिय और सबकुछ चाहता है।



अजबे रात्रे सत्नाम : पैर की अंगुलियों से भी उसकी लिखावट साफ-सुथरी है।

तानों से सीखा | टेस्ट पास कर भिखारी ने लॉ कॉलेज में लिया एडमिशन

पढ़ाई सबसे कीमती

लोग कहते थे- जवान हो कल काम क्यों नहीं करते

हाथ खराब था. काम के लिए पढ़ना शुरू कर दिया

राजस्थान यूनिवर्सिटी के लॉ कॉलेज के 48 वर्षीय स्टूडेंट शिव सिंह। दोपहर तीन बजे तक धरो, मंदिरों और कुआरों पर भीख मांगते हैं। तीन वजते ही कॉलेज कैम्पस में नजर आते हैं...। राय में फटे हुए थैले में कुछ कॉपी किताब के साथ कॉलेज प्रशासन के मुताबिक उन्होंने कभी छुट्टी नहीं की। जिस दिन क्लास नहीं लगती, लाइब्रेरी हॉल में अकेले स्टडी करते रहते हैं।



आपबीती : हाथ खराब हुआ
और सब साथ छोड़ गए

कॉलेज में सिर्फ पढ़ाई
शिव को पढ़ाने वाले और साथ पढ़ने वाले छात्र कहते हैं- विश्वास ही नहीं होता कि ये व्यक्ति भौख मांगता होगा।

मेरा भी परिवार था। मजदूरी करने के बख़ूद मैं-वप ने पढ़ाया। गर्मिनेट कॉलेज, गंगपुर सिटी ने १९८९ में केजुशन की। शरी बुद्ध, कये हुवा। मेकरी मिली नहीं। गंग ने ठाकुरों के खेत पर मजदूरी की। पैसा नहीं दिया मंगले पर पीटा। छोटी की वजह से सीधे हथ ने काम करना बंद कर दिया। फिर कहीं काम नहीं मिला। पत्नी, परिवार सब छोड़ गए। भुल ने खब फैराखे को मजदूर कर दिया।



अब जिद्द : पढ़ाई करूंगा,
काम मिल ही जाएगा

अब किन्हीं तो भीड़ मांगा, एक ताना जरूर मिला- जवान है, कुछ काम क्यों नहीं करता। अब कैसे कलू कि हव खरब होने से मजबूरी कर ही नहीं सकता। अखबार में तो कॉलेज का विज्ञापन दे दिया। फार्म भर दिया। भीड़ के ऐसे बचकर किताब खरीदी। मंदिर के बाहर बैठकर पढ़ाई की। कॉम्पिटिबल दिया और मेरिट लिस्ट में नाम आ गया। अब एक ही अइद से- पढ़ाई पूरी करना। फिर कोर्ट में काम मिल ही जाएगा। --जैत शिवसिंह वे वाक्य

Negative Stories with Clear Header

Readers were not deprived of the negative things happening in the society but instead, in case of the issue being critical and negative, it has been published prominently under a clear header.

निगेटिव न्यूज सेक्शन

सिर्फ ये ही निगेटिव खबरें, जो आपको जानना जरूरी हैं।

ऑस्ट्रेलिया में आईटी विशेषज्ञ भारतीय महिला की हत्या

मेलबर्न | ऑस्ट्रेलिया में सिडनी के उपनगर में आईटी कंसल्टेंट भारतीय महिला प्रभा अरुण कुमार (41) की शनिवार को हत्या कर दी गई। घर से कुछ ही दूरी पर उनकी बर्बर तरीके से चाकू मारे गए। इससे उनकी मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि जिस समय हमला हुआ वे पैरामैट्टा पार्क से गुजरते हुए पति से फोन पर बात कर रही थीं। हमले के बाद उन्होंने फोन पर कहा, 'मुझे लगता है मुझ पर हमला हुआ है।' पार्क को जाने वाला यह रास्ता उनके वेस्टमीड स्थित घर के करीब था। प्रभा का एक बच्चा भी है। पुलिस ने इसे बेहद बर्बर हमला करार दिया। अभी साफ नहीं हुआ है कि हमलावर एक था या कई।



अभिनेता की पत्नी ने की खुदकुशी

मुंबई | भोजपुरी फिल्मों के अभिनेता पवन सिंह की पत्नी प्रिया कुमारी ने रविवार तड़के मुंबई में खुदकुशी कर ली। 21 साल की प्रिया की पिछले दिसंबर में पवन से शादी हुई थी। अंधेरी स्थित प्रिया के घर पर उनकी बहन ने उनको पंखे से लटके हुए देखा था।

निगेटिव न्यूज

सिर्फ वही नकारात्मक खबर, जो आपको जानना जरूरी हैं।

सीट नहीं छोड़ी तो सात साल की बच्ची को ट्रेन से फेंका

भास्कर न्यूज | जावरा (रतलाम)

रतलाम से आगरा जा रही ट्रेन में सीट नहीं मिलने से खफा एक यात्री ने सहयात्री की सात साल की बच्ची को चलती ट्रेन से फेंक दिया। घटना रविवार सुबह 9:40 बजे ढोढर-कचनारा स्टेशन के बीच हुई। जनरल बोगी में कंवरलाल औड़ु बेटी लाली के साथ रतलाम से बैठे थे। इसी बीच दिल्ली निवासी तसलीम रहमान ने बच्ची को उसकी सीट से उठने को कहा तो उसने मना कर दिया। नाराज तसलीम ने बच्ची को ट्रेन से बाहर फेंक दिया। यात्रियों ने चेन खींचकर गाड़ी रुकवाई। बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।



निगेटिव न्यूज

सिर्फ वह ही नकारात्मक खबर, जो आपको जानना जरूरी है।

स्वाइन फ्लू से 3 की मौत, 50 पॉजिटिव मरीज मिले

नगर संवाददाता | भोपाल

स्वाइन फ्लू से प्रदेश में रविवार को तीन और मरीजों की मौत हो गई। इनमें से दो की मौत भोपाल में जबकि एक की मृत्यु ग्वालियर में हुई। अब तक 84 लोग जान गंवा चुके हैं। वहीं आरएमआरसीटी, जबलपुर से रविवार को स्वाइन फ्लू के 50 संदिग्ध मरीजों की रिपोर्ट आई है, जिससे पॉजिटिव मरीजों का आंकड़ा 298 हो गया है। स्वाइन फ्लू कंट्रोल रूम के अफसरों ने बताया कि भोपाल के एलबीएस अस्पताल और हमीदिया अस्पताल में स्वाइन फ्लू से बीते 24 घंटे में दो महिलाओं की मौत हो गई। एलबीएस अस्पताल में भर्ती महिला गर्भवती थी। दोनों महिलाओं की जांच रिपोर्ट दो दिन पहले आरएमआरसीटी जबलपुर से पॉजिटिव आई थी। इससे भोपाल में स्वाइन फ्लू से मरने वालों का आंकड़ा 23 हो गया है। स्वाइन फ्लू से तीसरे मरीज की मौत ग्वालियर के बिड़ला हॉस्पिटल में हुई है। कंट्रोल रूम के अफसरों ने बताया कि रविवार को जबलपुर स्थित लेब से स्वाइन फ्लू के 50 संदिग्ध मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है, जिनमें 16 भोपाल के हैं। अफसरों ने बताया कि रविवार को भोपाल से 16 और पूरे प्रदेश से 68 संदिग्ध मरीजों के नमूने जांच के लिए जबलपुर और ग्वालियर स्थित लेब भेजे हैं। इनसे नमूनों की जांच रिपोर्ट मंगलवार को आएगी। (समय पर इलाज न मिलने से मरीजों की मौत | पृष्ठ पेज 3)

Good News

Good News is a triggering factor to make one happy and hence, the positive attitude. Everyday Dainik Bhaskar curates all the good news with a clear header.

पहले गुड न्यूज

निजी गाड़ियों को टोल टैक्स से मिलेगी राहत

नई दिल्ली|जल्द ही प्राइवेट गाड़ियों और बसों से उनके जिलों में हाईवे पर टोल वसूली बंद होगी। रोड ट्रांसपोर्ट मिनिस्ट्री इस प्रस्ताव पर काम कर रही है। इसे मंजूरी मिल जाती है, तो इससे रोजाना आने-जाने वाले मुसाफिरों को राहत मिलेगी।

पहले गुड न्यूज

रेलवे में एक महीने के अंदर मिलेगी पेंशन

झांसी|रेलवे रिटायर होने वाले कर्मचारियों को एक महीने में पेंशन देगा। इसके लिए रेलवे ने एक सॉफ्टवेयर 'अर्पण' तैयार किया है। इसकी शुरुआत झांसी रेल मंडल में की गई थी। अब इस योजना को पूरे भारत में लागू किया जाएगा।

पहले गुड न्यूज

वायरस हटाने के लिए फ्री में मिलेगा सॉफ्टवेयर

नई दिल्ली|केंद्र सरकार जल्द ही मोबाइल और कंप्यूटर से वायरस हटाने वाला 'बॉटनेट' सॉफ्टवेयर लॉन्च करेगी। इसके लिए सेंटर बना रही है। इसे इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉंस रिसर्च टीम तैयार कर रही है। सॉफ्टवेयर को इसकी वेबसाइट से ही मुफ्त में डाउनलोड किया जा सकेगा।



How did we reach out to readers ?



[illegible]

दैनिक भास्कर
मद्रास

मां हमेशा कहती है...
सब ठीक हो जाएगा!

तु थिर मत कर...
वो नीकरी तेरे लायक ही नहीं थी...
तु कुछ भी पढ़ ले अक्की लगती है...
तु टेशन मत ले, मैं बाबा से बात कर लूंगी...
तु कोशिश कर, जल्द ही जीतोगा...

मां ही तो हैं जो हर निगेटिव पल को
पॉजिटिव में बदल देती हैं.

आइए उन सभी पॉजिटिव पलों को
अपनी मां को लौटाएं
इस मदर्स डे कहें उनसे अपने दिल की बात
और बताएं कि क्यों हैं वो इतनी खास

#livenegative
www.livenegative.org

दैनिक भास्कर
मद्रास

दैनिक भास्कर
मद्रास

मेरे
पापा
मेरे
हीरो



उगली फकड़कर चलना सिखाया, गिरकर फिर उठना सिखाया,
मुश्किलों में रास्ता दिखाया और ज़िन्दगी के हर पल को पॉजिटिव बनाया.

अपने पापा के साथ समय बिताकर इस
Father's Day को खास बनाइए.

#livenegative
www.livenegative.org

दैनिक भास्कर
मद्रास

Topical Print Ads

दैनिक भास्कर
म्यूज़

एक
ना
हज़ार
हां

तम्बाखू और सिगरेट को **ना** मतलब
ज़िन्दगी की हज़ार खुशियों को **हां**

आज ही **ना** के साथ करें
#livenegative ज़िन्दगी की सेहतमंद शुरुआत

No Negative News

World No Tobacco Day

28 MAY 2023

दैनिक भास्कर
म्यूज़

अपने परिवार को दें
ना
का तोहफ़ा

जब आप तम्बाखू और सिगरेट को **ना** कहेंगे तभी
अपने परिवार को खुशियों का अनमोल तोहफ़ा दे पाएंगे.

आज World No Tobacco Day पर **ना** से करें
#livenegative ज़िन्दगी की सेहतमंद शुरुआत

No Negative News

World No Tobacco Day

28 MAY 2023

Topical Print Ads

चार कहानियां



एक अंत

www.dainikbhaskar.com/LNN

TVC



Dainik Bhaskar
GROUP



Outdoor Innovation- Malls, Traffic Signals and Key City locations

How did the reader respond ?



Rahul Jain @rahuljain

Live No Negative !
My latest Creation...enjoy reading
@DainikBhaskar @livenegative

Vishnu Gupta @vishkg_

The awesome @DainikBhaskar ad about #Livenegative is quiet inspirational and something we need to be reminded of more often. #Waytogo #Win

Puneet Gupta @puneet48

@livenegative great initiative. deserves to be a way of life. wish you all the luck in bringing logical contributions

Jigyasa Singh @jigyasa_singh

How often you see this? #support #respect @livenegative 🍌🍌

Live No Negative @livenegative

#LiveNoNegative is our fight against the widespread negativity in the society that is holding us back from becoming a great nation.
India - livenegative.org

13 FOLLOWING 160 FOLLOWERS

Anish R K Nair @anishrk

@livenegative Just watch your add, it's really amazing. 🍌 Hats off team #livenegative 🍌

Hard Patel @hardpatel

सब बदल जायेगा
सोच बदल के देखो !...
#LiveNoNegative
@DainikBhaskar

shruti pandya @casrpandya

@livenegative A great and much needed initiative!!!

No Negative Life retweeted

Ashish Singh Chauhan @8789Ashish · May 21

Positive Change begins with me. In thoughts, words and deeds, I commit myself to #livenegative - An initiative by Dainik Bhaskar

No Negative Life retweeted

Prithvi Mani @prithm · May 17

@DeepikaBhardwaj thank you @DainikBhaskar for the wonderful ads. U r making huge positive support for ordinary Indian males.#livenegative

No Negative Life retweeted

Anish R K Nair @anishrk · May 18

@livenegative Just watch your add, it's really amazing. 🍌 Hats off team #livenegative 🍌

No Negative Life retweeted

Sharad Goyal @Sharad_Goyal · May 18

@livenegative #livenegative

Testimonials



I am surprised as well as equally delighted to know about the initiative 'No Negative News' being undertaken by an Indian newspaper. I believe such kind of initiatives, being integral in spreading positivity, would go a long way in realizing the dreams of all progressive Indians towards inclusive growth.



Mr. Narendra Modi
Prime Minister



There are so many positive developments happening around us in our society. We just need to highlight and talk about them. I wish the initiative 'No Negative News' gets replicated by everyone and everyday.



Late Mr. APJ Abdul Kalam
Former President



I was delighted by Dainik Bhaskar Group's efforts to spread positivity in the country with their No Negative News campaign. I wish them well and hope that they would continue on this righteous journey, thereby setting new journalistic benchmark for newspapers not only in India, but across the world".



Ms. Sumitra Mahajan
MP & Hon. Speaker. Lok Sabha



Testimonials



This is a great initiative.
I was sharing this same thought
with someone a few days ago.
Congratulations!



Mr. Srinivasan Swamy
Chairman
(R K SWAMY BBDO)



In a me-too market, where news is a
commodity, this is a potential
difference which can help the paper
stand out of a clutter. To, me (this
initiative by Dainik Bhaskar) is a
counter to Monday morning blues and
helps you get a smile on your face.



Mr. Ajay Kakar
CMO-Financial Services,
Aditya Birla Group



My compliments on this excellent
initiative. Thank you for your
leadership.



Mr. Sanjeev Chadha
Chief Executive Officer,
PepsiCo Inc
(Asia, Middle East & Africa)



Testimonials



The optimum journalism is not restricted only to aware society about events and news but to ensure, that it gives society a worth living. Hence, I pray to 'SHREEGURU' for Dainik Bhaskar to grasp sensible facts and establish itself worldwide".



Puri Peetha Dhishwar
Jagat Guru Shankaracharya
Shree Nischala Nanda
Saraswati



The idea of beginning a week with positive thoughts implemented by Bhaskar Group is a very big step and worth applauding.



Shri Morari Bapu
Spiritual Guru



Dainik Bhaskar is already one of India's finest media group - and the "No Negative News on Monday" is really a fabulous initiative. Congratulations! Avoiding negative news has actually been an important undercurrent in all my radio programming for the last 65 years".



Mr. Ameen Sayani
Sayani Radiotel
Advertising



Extending the product
philosophy to the reader's life





जियो
नो निगेटिव
लाइफ



How did we launch ?



गाँधीजी का चौथा बंदर होता तो क्या कहता ?



जानिए कल...

Teaser



Print
Launch AD

दैनिक भास्कर

राजस्थान

www.dainikbhaskar.com

अंगूठे से पढ़ें हमें हमारे विचारों और मूल्यों के साथ

शुक्रवार, 3 अक्टूबर, 2015



बुरा मत सोचो

संवेदी के तीन सुत्र सचवाई का शब्द नहीं रख है। निगेटिव थिंकिंग के साथ न तो हम कुछ हासिल कर सकते हैं, और न ही कुछ खो सकते हैं। तो फिर क्यों हम इस अवस्थाक बोझ को अपने व्यवहार पर डाली होने दें। निगेटिविटी और पॉजिटिविटी दो दिशाओं की तरह हैं। दिशा हमें सुदूर तक करती है। एक दिशा में निराशा और अंधकार है तो दूसरी खुशियाँ और सफलता की ओर ले जाती है।

“नो निगेटिव थिंकिंग हर सोमवार” का अभियान शुरू करने के बाद अब दैनिक भास्कर ने अपने कहींहीं पाठकों को “नो निगेटिव लाइफ” जीने में सहायता करने की पालन की है। “नो निगेटिव लाइफ” जीने के लिए आपको कोई बड़े प्रयास नहीं करने हैं। बस छोटे-छोटे प्रयासों के माध्यम से आप अपने जीवन से निगेटिविटी को दूर कर सकते हैं। दैनिक भास्कर आपके इस प्रयास में हमेशा आपके साथ रहेगा। आपकी हम अलग कराने ऐसे तरीकों, विचारों, तथ्यों और सरल प्रयोगों से, जो “नो निगेटिव लाइफ” जीने में सहायता की।

तो आइए शुभारंभ करें एक नई सोच का...



नो निगेटिव लाइफ

सुरुआत हर सोमवार से

दैनिक भास्कर

हर सोमवार

दिनांक 06-25-2

पुणे के पत्रिका के मुख्य अंक

दिली सलामी

सभी पत्रिका के मुख्य अंक

दिवस

सभी पत्रिका के मुख्य अंक

दिवस

सभी पत्रिका के मुख्य अंक

दैनिक भास्कर
समूह



बुरा मत सोचो

सब बदल जाएगा, सोच बदल कर देखो

तो आइए शुभारंभ करें एक नई सोच का!

सही और गलत का फर्क हमारे नज़रिए पर निर्भर है, अगर नज़रिया बदल जाए तो निगेटिव परिस्थितियों से भी पॉजिटिव बातें सीखी जा सकती हैं, जरूरी है कि हम करें अपनी सोच में कुछ पॉजिटिव बदलाव और फिर एक नई निगेटिव लाइफ़.

गियो नो निगेटिव लाइफ़

दैनिक भास्कर **दिव्य भास्कर** **दिल्ली सराठी** **dna** **DB DIGITAL** **दैनिक भास्कर** **दिव्य भास्कर**

India's Largest Newspaper Group | 14 States | 61 Editions | 4 Languages

दैनिक भास्कर
समूह

बुरा मत सोचो

सोच बदलेगी तो दिन बदलेगा,
दिन बदलेगा तो जीवन बदलेगा



तो आइए शुभारंभ करें एक नई सोच का!

जिंदगी की सखीर सोच के आदने पर निर्भर होती है, अगर सोच सही है तो सब बेहतर हो सकता है, आज ही करें अपनी सोच में कुछ पॉजिटिव बदलाव और फिर एक नई निगेटिव लाइफ़.

गियो नो निगेटिव लाइफ़

दैनिक भास्कर **दिव्य भास्कर** **दिल्ली सराठी** **dna** **DB DIGITAL** **दैनिक भास्कर** **दिव्य भास्कर**

India's Largest Newspaper Group | 14 States | 61 Editions | 4 Languages

दैनिक भास्कर
समूह

बुरा मत सोचो

सब बदल जाएगा, सोच बदल कर देखो

तो आइए शुभारंभ करें एक नई सोच का!

सही और गलत का फर्क हमारे नज़रिए पर निर्भर है, अगर नज़रिया बदल जाए तो निगेटिव परिस्थितियों से भी पॉजिटिव बातें सीखी जा सकती हैं, जरूरी है कि हम करें अपनी सोच में कुछ पॉजिटिव बदलाव और फिर एक नई निगेटिव लाइफ़.

गियो नो निगेटिव लाइफ़



दैनिक भास्कर **दिव्य भास्कर** **दिल्ली सराठी** **dna** **DB DIGITAL** **दैनिक भास्कर** **दिव्य भास्कर**

India's Largest Newspaper Group | 14 States | 61 Editions | 4 Languages

Print Ads

Helping the reader lead a
“No Negative Life”



Refreshed Monday Masthead



आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अखबार

कुल 34 पेज | 18 पेज + डिटी भास्कर 4 पेज + डीबी स्टार 12 पेज (मि-मुक्त) | मूल्य ₹ 4.00

भोपाल सोमवार, 10 अगस्त, 2015, श्रावण कृष्ण पक्ष- 11, 2072

जब ईश्या सताए, खुद पर संदेह होने लगे

साईंस कहता है, खुशी देने वाले काम करें
ईश्या के कारण हम तनाव करने लगते हैं। खुद की क्षमता पर संदेह पैदा हो जाता है। शिवांग का आगे का बाया हिस्सा इन्ने कटौत करने है। खुशी देने वाले होखमइन सिस्टम का इससे संबंध है। आनंदवचक होने करने से होखमइन सिस्टम होगा। ईश्या की भजन कम होगी।

संदेह को मिटा देगा आपका आत्मविश्वास
दुख की राख पर बैठे पक्षी को आपकी तुलना में राख टूटने का डर नहीं होता, क्योंकि उसका भरोसा कभी भी दुख की राख पर नहीं होता। उसका भरोसा तो अपने पंखों पर होता है। आप जब अपनी क्षमता पर संदेह करते हैं तो संदेह को शक्ति प्रदान करते हैं।



को क्लिंटिव लखत
दैनिक भास्कर
एक लोगवार्ड

आप ही सक्षम हैं, आप ही सबकुछ करेंगे

यह आप पर है कि...

- खुशम बड़- लंग बन की बात नहीं जान सकते।
- मास्कर बत- लंग बतल नहीं करेंगे। खुद अपने काम से 100% संतुष्ट होना चाहिए।
- जो हैं, वही रहें- आम-सम्मान की पहली शर्त है आम-वैश्वस्य। इन्सिफ जैसे हम सब में है, यही सही।
- मुर ही करें- लंग आकाश है। खुद चाहिए। दूसरे नहीं चलेगे।

देवी "को क्लिंटिव लखत" केन ड ड ड

1. आप शिम्मत नहीं खरेंगे, उम्मीद नहीं छोड़ेंगे, कोशिश करेंगे।
2. आप मिलने बहदुर खुद को मानते हैं, उससे ज्यादा हैं।
3. मिलने दिखई देवी है उससे अधिक शक्ति आपके भीतर है।
4. मिलने होशियार आप सब को मानते हैं, आप उससे ज्यादा हैं।

Every Monday, Half page on 'No Negative Life' is published comprising positive and inspiring articles for readers thereby helping them to lead positive life and shun negativity.

[illegible][illegible]

Positive Edit Write-ups





Our aim
1.2 billion
Positive Indians